# बालिका गृह की बेटियों ने जीता स्वर्ण पदक

## अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में किया बेहतर प्रदर्शन, मंत्री भूरिया चैम्पियन बालिकाओं से मिलीं

**भोपाल,4 जुलाई. भोपाल, 4 जुलाई. भोपाल के बालिका गृह की कुछ खास बच्चियाँ गौरव की प्रतीक बन गई हैं. इन बच्चियों ने 'फर्स्ट एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और यह साबित कर दिया कि हालात चाहे जैसे भी हों, हौसले अगर बुलंद हों तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता.**

शुक्रवार को इन चैम्पियन बच्चियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया से मुलाकात की, तो माहौल भावनाओं से भर गया. आँखों में चमक, चेहरे पर आत्मविश्वास और मन में कुछ कर दिखाने की आग, हर बच्ची की मुस्कान एक नई कहानी कह रही थी. मंत्री भूरिया ने बच्चियों को बधाई दी और कहा कि ये सिर्फ एक जीत नहीं, ये समाज के लिए एक संदेश है कि हर बच्ची, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में जन्मी हो, अगर उसे अवसर मिले तो वह सितारों को छू सकती है. उन्होंने बच्चियों का न केवल हौसला बढ़ाया बल्कि

यह भी भरोसा दिलाया कि उनके सपनों को साकार करने के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी. मंत्री भूरिया ने कहा कि ये बेटियाँ अब सिर्फ बालिका गृह की बच्चियाँ नहीं रहीं. अब वे प्रेरणा बन चुकी हैं, उन लाखों बच्चों के लिए, जो अपने जीवन को एक नई दिशा देना चाहते हैं.

आयुक्त महिला बाल विकास सूफिया फारुकी वली ने कहा कि इन बच्चों को प्रोत्साहन देना, इनका सबसे बड़ा सम्मान है. मिशन वात्सल्य की टीम के मोटिवेशन के साथ इन बच्चियों ने लगन और मेहनत से ये अपार सफलता प्राप्त की है. उन्होंने बच्चियों को बधाई देते हुए कहा कि आपने जीवन की निराशा को आशा में बदलकर अपने भविष्य को गढ़ा है. इस मुलाक़ात में बच्चियों ने बताया कि कैसे शतरंज ने उन्हें धैर्य, रणनीति और आत्मविश्वास सिखाया. वे चाहती हैं कि आने वाले समय में वे और भी बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लें और देश के लिए खेलें. उनकी देखभाल में जुटे प्रशिक्षकों और बाल संरक्षण अधिकारियों की आँखों में भी गर्व और संतोष था, मानो उनके प्रयासों को आज असली मुकाम मिला हो.

> 1st एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप ऑनलाइन चैंपियनशिप है. इसमें चार महाद्वीपों के 15 देशों ने भाग लिया. इंडियन ऑयल की परिवर्तन प्रिजन टू प्राइम के तहत इन बच्चियों को चेस खेल का प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षक अभिजीत कुंटे ने बताया कि पहली बार जब मैं इन बच्चियों को प्रशिक्षण देने गया तो सब डरी सहमी थीं, पर इनके जज्बे को सलाम है. इनकी लगातार 3-6 महीने की मेहनत ने इन्हें चैंपियन बना दिया है. कुंटे ने कहा कि अब बालिकाएं अक्टूबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगी.

# 'मैजिक ऑफ महेश्वर' उत्सव शुरू

## हजारों महिलाओं के लिए रोज़गार का माध्यम बन चुकी हैं महेश्वरी साड़ियां

**भोपाल, 4 जुलाई. मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम की ओर से शुक्रवार से मैजिक ऑफ महेश्वर का शुभारंभ हुआ. जीटीबी मृगनयनी एम्पोरियम में शुरू हुए इस उत्सव में महेश्वर की प्रसिद्ध साड़ियों की रंग-बिरंगी छटा ने लोगों का मन मोह लिया.**

इन साड़ियों में न केवल बुनाई की बारीकी देखने को मिली बल्कि मालवा की संस्कृति और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की ऐतिहासिक विरासत भी जीवंत हो उठी. उत्सव में महेश्वर के वरिष्ठ बुनकर मो. शावेज हनीफ अंसारी ने एक से बढ़कर एक महेश्वरी डिजाइन से तैयार उत्पादों का कलेक्शन प्रदर्शित किया. उत्सव की खास बात यह है कि महेश्वरी साड़ियों की डिजाइन, रंग संयोजन और पारंपरिक पैटर्न लोगों को आकर्षित करते हैं. बुनकर शावेज हनीफ अंसारी ने बताया महेश्वर साड़ियों का इतिहास लोकमाता अहिल्याबाई होलकर से जुड़ा है, जिन्होंने इसे महिलाओं के रोज़गार का जरिया बनाने की दृष्टि से शुरू किया था.

> शब्बीर ने बताया कि उत्सव में आई साड़ियों पर महेश्वर घाट, नर्मदा लहरें, महल की नक्काशी और मंदिरों के स्तंभ जैसे डिजाइन उकेरे गये हैं. यह महज कपड़ा नहीं, बल्कि महेश्वर की कला और संस्कृति का प्रतीक है. महेश्वरी साड़ियां हल्की, चमकदार और मजबूत होती हैं. इनकी खासियत है बॉर्डर और पल्लू पर बारीक ज्यामितीय डिजाइन, जो अन्य साड़ियों से इन्हें अलग बनाती हैं.

> उत्सव के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने ही बुनाई केंद्रों की स्थापना कर महिलाओं को यह हुनर सिखाया था. महेश्वर की हजारों महिलाएं साड़ी बुनाई से परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं. वर्तमान में महेश्वर साड़ियां देश-विदेश में लोकप्रिय हैं. महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं के रोज़गार का माध्यम बन चुकी हैं.

# परमतत्व की महिमा अनंत है : साध्वी ऋचा

### मानस भवन में देवी भागवत महापुराण कथा का चौथा दिन

**भोपाल, 4 जुलाई. तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन में देवी भागवत महापुराण कथा चतुर्थ दिवस शुक्रवार को व्यास पीठ से साध्वी ऋचा गोस्वामी ने निर्गुण, सगुण का भेद बताया. उन्होंने कहा कि निर्गुण सगुण में कोई भेद नहीं है, जो कहते हैं निर्गुण और सगुण दोनों अलग हैं, पर भक्ति मार्ग की आराधना करने पर शिवत्व, एकत्व का भाव दोनों में ही समान है.**

जनमजेय ने अपना संशय व्यासजी को प्रगट करते हुए कहा कि यदि धर्म श्रेष्ठ है एवं धर्म सर्वोपरि है तो पूर्वज पांडवों ने कष्ट क्यों सहना पड़ा. धर्मनिष्ठ की क्या उपादेयता है? तब व्यासजी ने कहा कि मुझे भी संशय हुआ था कि मैं किस इष्टदेव की उपासना करूं. किसकी पूजा की जाए. यह संशय मुझसे पहले हुआ है. संशय, भ्रम

की यात्रा अनन्त है. परमतत्व की महिमा अनंत है. प्रकृति पुरूष की माया बुद्धि से परे है. जो सारी सृष्टि का पालन एवं संहार करते हैं.

इससे पूर्व साध्वी ऋचा गोस्वामी ने मधु-कैटभ की उत्पत्ति एवं देवी के द्वारा उनका संहार और देवताओं द्वारा उनकी स्तुति का संक्षिप्त में वर्णन किया. शुक्रवार को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया. इस अवसर पर सुंदर बालक को नन्हे कन्हैया के रूप में सजाया गया. श्रद्धालुओं ने मधुर संगीत के साथ नृत्य करके बधाइयां गाईं. यजमान के रूप में अरुण गुप्ता एवं किरन गुप्ता ने व्यासपीठ का पूजन किया. कथा के उपरान्त मां भगवती की आरती की गई. कथा में रघुनंदन शर्मा, अशोक भट्ट, प्रभुदयाल मिश्र, महेश सक्सेना, रमा बंग, संजीव पुरी एवं संध्या पुरी, महेश दुबे, माधवसिंह दांगी एवं अन्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे. कथा समापन पर आभार प्रभुदयाल मिश्र ने व्यक्त किया.

# बारिश से बड़ी झील का बढ़ने लगा जल स्तर

**भोपाल, 4 जुलाई.** राजधानी में लगातार हो रही बारिश से बड़ी झील यानी बड़े तालाब के जल स्तर में बढ़ोतरी होने लगी है. हालांकि यह बढ़ोतरी बहुत कम है. अभी इसको पूरी तरह भरने में अगस्त, सितंबर तक का समय लग सकता है. पुराने आंकड़े को देख तो ऐसी ही स्थिति रही है. बड़े तालाब को लेकर विशेषज्ञ कहते हैं कि पिछले 18 साल में कभी ऐसा नहीं हुआ कि जुलाई में बड़े तालाब का जलस्तर फुल लेवल तक पहुंचा हो. 13 अगस्त 2006 में भोपाल में बाढ़ के हालात बने थे, उस समय के बाद सितंबर में ही जलस्तर फुल लेवल तक पहुंचा है. पिछले साल अगस्त में इस स्थिति में पहुंच पाया था. बता दें कि बड़ा तालाब की जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है. अभी इसमें 1658.90 फीट पानी है. इसे पूरा भरने में 16 फीट से ज्यादा पानी की जरूरत है. इसके बाद भदभदा डैम के गेट खुलेंगे. यहां से शहर के 25 प्रतिशत हिस्से में पानी की सप्लाई होती है.

# हिंदी विश्वविद्यालय में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

### विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभागों की कार्यपद्धति की जानकारी दी

**भोपाल, 4 जुलाई. अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इस दौरान विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण भी कराया गया.**

आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय के निर्देशानुसार कुलगुरु प्रो खेमसिंह डहेरिया के निर्देशन तथा प्रभारी कुलसचिव प्रो. राजीव वर्मा के मार्गदर्शन में डॉ नीलम सिंह, डॉ भावना खरे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी सौरभ खरे के द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय के मुगलिया कोट सूखी सेवनिया विदिशा मार्ग भोपाल स्थित शैक्षणिक परिसर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए, पूर्व तथा अध्ययनरत् विद्यार्थियों के साथ,

शिक्षकों, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों के सहयोग से दीक्षारंभ कार्यक्रम किया गया. इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में डॉ. अमित सोनी के द्वारा विद्यार्थियों को परिसर भ्रमण कराया गया है तथा विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के विभागों की कार्यपद्धति की जानकारी प्रदान की गई. दो जुलाई को विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों के द्वारा चर्चा की गयी और 3 जुलाई गुरुवार को व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया. व्याख्यानमाला में डॉ राजेश मिश्रा के द्वारा विद्यार्थियों पर शिक्षकों के अधिक अवधान के महत्व पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम का संचालन करते हुए सौरभ खरे के द्वारा विश्वविद्यालय की महत्ता बतायी. प्रभारी कुलसचिव प्रो. राजीव वर्मा के द्वारा विभिन्न संभावनाओं की चर्चा की गई एवं योग तथा चित्रकला के पाठ्यक्रमों की महत्ता प्रतिपादित की. कार्यक्रम का समापन संयोजक डॉ नीलम सिंह के द्वारा आभार प्रदर्शित कर किया गया. कार्यक्रम को सफल में बनाने में डॉ भावना खरे का सक्रिय योगदान रहा.

## एक नजर में

### प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में रोपे दुर्लभ पौधे

**भोपाल.** क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल द्वारा 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जा रहा है. इसके तहत शुक्रवार को दुर्लभ पौधों का रोपण किया गया. संग्रहालय की वैज्ञानिक डी एवं कार्यालयाध्यक्ष डॉ. बीनिश रफ़त, वैज्ञानिक-सी मानिक लाल गुप्त और सभी कर्मचारियों द्वारा संग्रहालय के औषधीय उद्यान एवं उसके आसपास रास्ना, सहदेवी, गुन्जा, निशोथ, ब्राह्मी, कसौंदी, शमी, कपूर काचरी, सरपोंखा और गुलमोहर जैसे पौधों का रोपण किया गया. वन महोत्सव के तहत 01 से 07 जुलाई तक संग्रहालय, हरियाली बढ़ाने तथा जन मानस को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने के लिए निः शुल्क पौधों का वितरण कर रहा है, इच्छुक व्यक्ति संग्रहालय आकर निः शुल्क पौधे प्राप्त कर सकते हैं.

### कलचुरी महासभा का स्थापना दिवस 2 अगस्त से

**भोपाल.** अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा द्वारा 2 अगस्त शनिवार को दोपहर 3 बजे से राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक तथा रविवार 3 अगस्त को सुबह 10 बजे से 90 वां स्थापना दिवस एवं खुला मंच कार्यशाला का आयोजन एलएनसीटी जे के हॉस्पिटल परिसर कोलार रोड भोपाल स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयनारायण चौकसे की अध्यक्षता तथा राष्ट्रीय महासचिव एम एल राय के संयोजन में मनाया जाएगा. यह जानकारी महासभा के उप प्रचार सचिव सुधाकर राऊत ने दी.

### अमरनाथ यात्रियों के 15 स्थानों पर बन रहे कार्ड

**भोपाल.** श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा इस वर्ष अमरनाथ यात्रियों के 15 स्थान पर आरएफआईडी कार्ड बनवाने की व्यवस्था की गई है. यह जानकारी ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने दी. उन्होंने बताया कि यात्रा अनुमति के उपरांत आरएफआईडी कार्ड बनवाना अनिवार्य है. उसके बगैर अमरनाथ यात्रा नहीं कर सकते. उन्होंने बताया श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड द्वारा इस वर्ष यात्रा मार्ग पर 15 स्थान पर कार्ड बनवाने की व्यवस्था की गई है. लखनपुर, सांबा, भगवती नगर जम्मू, गीता भवन जम्मू, महाजन हॉल जम्मू, राम मंदिर जम्मू, पंचायत भवन जम्मू, रेलवे स्टेशन जम्मू, वैष्णवी धाम जम्मू, आसाराम आश्रम जम्मू, उधमपुर, रामबन, पंत चौक श्रीनगर, नुनवान बेस कैंप, बालटाल बेस कैंप किसी भी स्थान से कार्ड बनवा सकते हैं. जिन श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराए हैं उनका बायोमेट्रिक के माध्यम से होगा. सभी श्रद्धालु अपना ओरिजिनल यात्रा परमिट एवं आधार कार्ड अवश्य लेकर जाएं. रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल के जत्थे 29,30 जून को बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुए थे, लगभग 350 श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं. बाकी श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर हैं.

# एम्स में पैलेटिव केयर यूनिट का उद्घाटन

### 10 बेड वाला वार्ड विशेष रूप से किया गया डिज़ाइन

**भोपाल, 4 जुलाई. एम्स भोपाल में शुक्रवार को रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के अंतर्गत 10-बेड के पैलेटिव केयर यूनिट का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में प्रो. शशांक पुरवार (प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक) और प्रो. (डॉ.) मनीष गुप्ता (पैलेटिव केयर प्रभारी) की उपस्थिति रही.**

पैलेटिव केयर वह चिकित्सा पद्धति है जो जीवन-घातक रोगों, विशेषकर कैंसर से पीड़ित मरीजों और उनके परिजनों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर केंद्रित होती है. इसका उद्देश्य शारीरिक पीड़ा के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समस्याओं की पहचान कर समय रहते उनका समुचित प्रबंधन करना है. यह

नवस्थापित 10-बेड वाला वार्ड समग्र और करुणामयी देखभाल प्रदान करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है. इसमें मनोरंजन, परामर्श और परिजनों से भेंट के लिए अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं, जिससे मरीज और उनके परिजन सहज वातावरण में रह सकें. यह यूनिट एक टीम आधारित दृष्टिकोण को अपनाता है, जिसमें चिकित्सक, नर्स, काउंसलर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर मरीजों की समग्र आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं. इसमें मृत्योपरांत परामर्श भी शामिल है. कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने मरीजों और उनके परिजनों से संवाद किया और इस यूनिट को सफलतापूर्वक स्थापित करने में जुड़े सभी विभागों के सहयोग और समर्पण की सराहना की.

# राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष ने की जनसुनवाई

**भोपाल, 4 जुलाई.** राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर ने शुक्रवार को राजधानी के वीआईपी गेस्ट हाउस लालघाटी के सभागार में मध्यप्रदेश की मध्यप्रदेश की पिछड़ी जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने को लेकर सुनवाई की. इस दौरान प्रदेश में पिछड़ा वर्ग में शामिल 32 जातियों के प्रतिनिधियों ने आयोग के समक्ष अपनी जातियों का इतिहास बताकर राष्ट्रीय सूची में शामिल करने को कहा. इनका कहना था कि राष्ट्रीय सूची में नाम शामिल नहीं होने से उनकी जाति के लोगों को राष्ट्रीय स्तर के आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है. जनसुनवाई में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर, सदस्य भुवन भूषण कमल के अलावा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया एवं सदस्य सीताराम यादव भी शामिल हैं.

# स्पर्श भवन के दिव्यांग बच्चों ने देखी फिल्म सितारे जमीन पर

**भोपाल, 4 जुलाई. नवजीवन सेवा समिति और इनरव्हील क्लब ऑफ भोपाल मिलेनियम ने शासकीय स्पर्श भवन के 55 दिव्यांग बच्चों के लिए ज्योति सिनेप्लेक्स में निशुल्क स्पेशल शो सितारे जमीन पर कराया.**

फिल्म के विशेष शो के बाद अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल ने छात्र छात्राओं को प्रेरक संस्मरण सुनाए. समिति प्रवक्ता भगवान दास ढालिया ने बताया. इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को स्वल्पाहार माता महालक्ष्मी अन्न क्षेत्र द्वारा कराया गया.

बच्चों ने फिल्म देखने के बाद बहुत आनन्द लिया एवं फिल्म में दिव्यांग बच्चों के प्रस्तुतीकरण पर खुशी जाहिर की. उन्होंने अपने जीवन में आने वाली कठिनाइयों से न घबराने का संकल्प लिया इस अवसर पर तरंग अग्रवाल, विनीता दिवाकर, मीरा काँटेवाला, मनोज एवं गौरव ओर स्पर्श विद्यालय के शिक्षक एवं सहयोगी भी उपस्थित थे.

**धार्मिक आयोजन** | मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने 1100 क्वाटर में दिए प्रवचन

# मार्ग पर चलने वाले को ही मिलती है मंजिल : मुनिश्री

**भोपाल, 4 जुलाई. किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि तभी हासिल होती है, जब आप अपनी चर्चा को चर्या में परिणित करते हैं, चर्चा यदि चर्या में परिणित न हों तो वह चर्चा कोरी है. मार्ग पूछने वालों को मंजिल नहीं मिलती है, मार्ग पर चलने वालों को ही मंजिल मिलती है. उपरोक्त उद्गार मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने 1100 क्वाटर में व्यक्त किये.**

मुनिश्री ने कहा प्रवचन सुनने से काम नहीं चलेगा, उन प्रवचनों को बौद्धिक स्तर से निकलकर दिल में उतारना चाहिये, दिमाग की बातें यदि दिल में उतर जाये तो परिवर्तन आ जाए. उन्होंने कहा चिंता नहीं चिंतन करो, चिंता से

समाधान नहीं मिलता, चेष्टा से समाधान मिलता है. रास्ता खोजोगे तभी आप आगे बढ़ पाओगे.

मुनि संघ के प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया 6 जुलाई सोमवार को प्रातः 6 बजे मुनि संघ का मंगल विहार 1100 क्वाटर से अवधपुरी की ओर होगा. यहां पर विद्या प्रमाण गुरुकुलम् एवं विद्यासागर प्रबंधकीय संस्थान तथा सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा मुनिसंघ की मंगल अगवानी की जाएगी. मुनिसंघ के मंगल प्रवचन 8:30 से प्रतिदिन यहीं पर होंगे.

> 9 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ होने जा रहा है तथा चातुर्मास की सभी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं. 10 जुलाई को संघस्थ मुनिराज संधान सागर महाराज का 11 वां दीक्षा दिवस है, जो कि श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा. 13 जुलाई रविवार को दोपहर 2 बजे से चातुर्मास कलश स्थापना कार्यक्रम शुरू होगा, जो भगवान महावीर के मोक्षकल्याणक तक अर्थात दीपावली तक चलेगा. इस बीच में रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, पर्वराज पर्युषण पर विशेष श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन होगा.

### सनातन धर्म रक्षा के लिए युवाओं में आस्था जरूरी : शैलेन्द्र कृष्ण

**भोपाल, 4 जुलाई.** रसधाम ग्रार्डन, पीपुल्स माल के सामने करोंद में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस शुक्रवार को वृन्दावन धाम से पधारे कथावाचक शैलेन्द्र कृष्ण महाराज ने कहा कि जिसके न प्रारम्भ का पता हो न अंत का उसी का नाम सनातन है, जो नित्य है शाश्वत है, जहां सभी जीवों को अभय आश्रय दिया जाता है उसी का नाम सनातन धर्म है. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की ध्वजा नित्य निरंतर देश दुनिया में फहराने के लिए भारत के युवाओं को धर्म से मजबूती से जुड़ना होगा. कथाओं को सुनने के लिए भी समय देना होगा.